संपादकीय

निरंकुशता में समृद्धि के सत्तर साल

एक अक्टूबर चीन के लिए उतना ही महत्वपूर्ण था, जितना कि भारत के लिए 2 अक्त ूबर। कबूतर उड़ाकर वे बता रहे थे कि चीन में कम्युनिस्ट पार्टी के 70 साल शांतिपूर्वक गुज़रे हैं। हमें बताना नहीं पड़ा था कि महात्मा गांधी जयंती के 150 साल पूरी दुनिया के लिए कितना महत्वपूर्ण हैं। 1 अक्त ूबर 1949 को इसी थ्येनआन मन चौक पर चेयरमैन माओ ने पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) की स्थापना की घोषणा की थी। उससे पहले 23 साल तक चले गृहयुद्ध में खून की नदियां बही थीं तो उसके बाद के सात दशक शांतिपूर्ण रूप से गुज़रे हैं आंदोलनकारियों से अशांत हांगकांग का सवाल श्वेत कबूतरों के फड़फड़ाते पंख से दब नहीं जाता।

पेइचिंग का ऐतिहासिक थ्येनआनमन चौक चीनी सत्ता की धमक पूरी दुनिया को जताता दिखता है। इसके तीन किलोमीटर की परिधि में माओ की समाधि है, और उसके ठीक सामने है, चीनी संसद। सितंबर 2019 में इसी थ्येनआनमन चौक पर मैं गया था। मैंने जो अपने गिर्द देखा, वो यही कि कई देशों से आये पर्यटक टैंकों से कुचले आंदोलनकारियों के बारे में सवाल करते थे, मगर क्या मज़ाल चीनी गाइड मुंह खोलें। विषय बदलकर वे चीनी राजवंशों के बारे में बताने लगते।

थ्येनआनमन चौक पर 2 जून, 2019 को हज़ारों आंदोलनकारियों को टैंकों से कुचलकर मार डालने की तीसवीं बरसी थी। उस दिन चीनी रक्षा मंत्री वेई फेंग ने कहा कि लोकतंत्रकामियों को कुचल देने की बर्बर कार्रवाई सही थी। थ्येनआनमन चौक पर पांच माह पहले, 2 जून, 2019 को पुलिस का ज़बरदस्त पहरा था। सन्नाटा इतना कि परिंदे तक पर मारते नहीं दिखे। मगर, 1 अक्त ूबर 2019 को इसी जगह पर रौनक थी। यहां अभूतपूर्व परेड में देशवासियों के बीच राष्ट्रभक्ति जाग्रत करने के साथ-साथ अंतरमहाद्वीपीय मिसाइल डीएफ-41 का प्रदर्शन कर चीन ने पूरी दुनिया को प्रकंपित किया है। 14-15 हज़ार किलोमीटर तक मार करने वाली 'तोंगफेंग-41' मिसाइल आधे घंटे में अमेरिका पहुंचकर उसका सर्वनाश कर सकती है। चीनी शासन ने दावा किया है कि डीएफ-41 प्रक्षेपास्त्र पृथ्वी के किसी छोर तक प्रहार कर सकता है। अर्थात, 70 साल की सबसे बड़ी उपलब्धि शांति के प्रतीक श्वेत कबूतर नहीं थे।

चीनी सत्ता की दूसरी ताक़त है पैसा। 1952 में चीनी अर्थव्यवस्था 9.55 अरब डॉलर की थी। 2018 में चीन 12.66 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला देश बन चुका था। चीनियों को मालूम है कि एक ट्रिलियन में कितने शून्य होते हैं। भारत में उस शून्य को तय करने में सरकार के प्रवक्त ा बगलें झांकते हैं। चीन ने विकास की दौड़ से दुनिया को रूबरू कराया है। उसका सबसे बड़ा फॉरेन करेंसी रिज़र्व, हाईस्पीड ट्रेन का संजाल, सिक्थ जेनरेशन वाली आधुनिक अधोसंरचना, आलोचकों को चुप कराने का अवसर देती है। दुनिया के बाज़ार के लिए सस्ते माल तैयार करने वाले चीनी कारखाने, अमेरिका से ट्रेड वार के बावजूद ध्वस्त नहीं हुए हैं। इस समय प्रेसिडेंट शी राष्ट्रवाद के आइवरी टावर पर खड़े हैं।

2020 के बजट में महिलाओं को कई रियायतें दे सकती है सरकार

नई दिल्ली। इस बार लग रहा है कि फरवरी-2020 में पेश होने वाले आम बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण महिलाओं को कुछ विशेष राहत दे सकती हैं। इसका कारण है कि वित्त मंत्रालय ने बजट पूर्व बैठकों के जो कार्यक्रम तय किए हैं, उनमें वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सामाजिक और आर्थिक महिलाओं के संगठनों के साथ बैठक करेंगी। उनसे बजट उपायों को लेकर चर्चाएं करेंगी। सूत्रों के अनुसार, बजट पूर्व बैठकों में इस बार विभिन्न महिला संगठनों के प्रतिनिधियों को बुलाया जाएगा। इनमें सामाजिक, आर्थिक और महिला उत्थान के कार्यों में शामिल संगठन शामिल होंगे। इन संगठनों के प्रतिनिधियों को पत्र भेजकर उनसे कहा जाएगा कि वे महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक उत्थान के लिए बजट में जो प्रावधान चाहती हैं, उसका पूरा ड्राफ्ट मीटिंग में लेकर आएं। सरकार उस पर विचार करेगी और प्रावधान अच्छे होने पर बजट में घोषणा भी की जाएगी।

सूत्रों का कहना है कि इस बार खुद निर्मला सीतारमण ने वित्त मंत्रालय से कहा कि बजट पूर्व बैठकों में महिला संगठनों की भागीदारी बढ़ाई जाए। जरूरी नहीं है कि केवल महिला उद्यमियों और बिजनेस जगत से जुड़ी महिला प्रतिनिधियों को ही बजट पूर्व बैठकों में बुलाया जाए। उन महिला संगठनों के साथ बजट पूर्व बैठकें की जाएं, जो महिलाओं के सामाजिक उत्थान से जुड़ी हुई हैं और सशक्तिकरण के लिए कार्य कर रही हैं। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का पहला बजट नौ महीने के लिए था। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यह बजट पेश किया था। बजट के बाद एक बातचीत में उन्होंने साफतौर पर कहा था कि एक महिला होने के नाते वह चाहती हैं कि देश में महिलाओं की आर्थिक-सामाजिक स्थिति में सुधार हो। इधर, वित्त मंत्रालय में अगले साल के बजट की तैयारियां शुरू हो गई हैं।

पाकिस्तान में 100 रुपये किलो तक बीक रहे प्याज

इस्लामाबाद। प्याज का दाम पाकिस्तान में लोगों की आंखों में आंसू ले आया है। इसकी कीमत यहां सौ रुपये किलो तक पहुंच गई है। पाकिस्तानी मीडिया में प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि संबंधित विभाग और व्यापार मंत्रालय की गलत नीतियों के कारण पाकिस्तान में प्याज का दाम नब्बे से सौ रुपये किलो तक पहुंच गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बारिश से बलोचिस्तान और सिंध में प्याज की फसलों को काफी नुकसान पहुंचने के बावजूद इनका निर्यात पहले की ही तरह जारी है। एक तरफ देसी प्याज बाहर भेजा जा रहा है जबकि स्थानीय मांग को पूरा करने के लिए अफगानिस्तान और ईरान का प्याज देश के बाजारों में बिक रहा था। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्याज के व्यापारियों का कहना है कि अब इन देशों से प्याज का आयात रोक दिया गया है जबकि देसी प्याज का निर्यात धड़ल्ले से जारी है। नतीजा यह हुआ है कि प्याज का दाम, जो पहले से ही अधिक चल रहा था, बीस रुपये प्रति किलो तक बढ़ गया और एक किलो प्याज की कीमत सौ रुपये तक जा पहुंची।

आईडीबीआई बैंक एमजेन ट्रांसपोर्टेशन का एनपीए खाता बेचेगा, बोलियां मांगी

नईदिल्ली (आरएनएस)। आईडीबीआई बैंक ने गैर निष्पादित आस्तियां (एनपीए) बन चुके एमजेन ट्रांसपोर्टेशन इंडस्ट्रीज के खाते को बेचने के लिए बोलियां आमंत्रित की हैं। इसके लिए आरक्षित मूल्य 52 करोड रुपये रखा गया है। बैंक का इरादा एमजेन के एनपीए खाते का पूर्ण नकद आधार पर संपत्ति पुनर्गठन कंपनियों-बैंकों-एनबीएफसी-एफआई को बेचने का है। बैंक की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार इस एनपीए खाते की बिक्री नियामकीय दिशानिर्देशों तथा वित्तीय संपत्तियों को बेचने की बैंक की नीति के तहत की जा रही है। एमजेन को पूर्व में एमटेक रेलकार इंडस्ट्रीज के नाम से जाना जाता था। आईडीबीआई बैंक ने कहा कि बोली जमा कराने की अंतिम तारीख 29 अक्टूबर है।

एसबीआई ने लॉन्च किया डेबिट कार्ड ईएमआई की सुविधा

नई दिल्ली। अगर आप स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के ग्राहक हैं तो यह आपके लिए खुशखबरी है। सार्वजनिक क्षेत्र के देश के सबसे बड़े बैंक ने डेबिट कार्ड पर ईएमआई की सुविधा शुरू की है। स्टेट बैंक के वर्तमान ग्राहक इस सेवा का लाभ उठा सकते हैं। हालांकि, इस सुविधा का लाभ तभी उठाया जा सकता है, जब ग्राहक पाइन लैब की पीओएस मशीन से स्वाइप करेंगे। एसबीआई की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक, देश भर में 40 हजार से ज्यादा व्यापारी इस पीओएस मशीन का इस्तेमाल कर रहे हैं।

प्रोसेसिंग फीस नहीं- एसबीआई की प्रेस नोट के मुताबिक, इसमें ग्राहकों को ना तो प्रोसेसिंग फीस देनी होगी और ना ही डॉक्युमेंट वेरिफिकेशन का काम होगा। बैंक ने अपने ग्राहकों को 6-18 महीने की ईएमआई की सुविधा दी है। इसके अलावा एसबीआई कार्ड होल्डर कंज्यूमर ड्यूरेबल गुड्स के लिए लोन भी ले सकते हैं। मतलब, ईएमआई पर डेबिट कार्ड की मदद से फ्रीज, वॉशिंग मशीन और एसी जैसे सामान खरीद सकते हैं।

ट्रांजैक्शन पूरा होने के एक महीने बाद ईएमआई शुरू होगी। प्रेस नोट के मुताबिक, जिन ग्राहकों का रेटिंग स्कोर अच्छा है, उन्हें लोन मिलने में कोई परेशानी नहीं होगी। बैंक मैसेज और मेल के जरिए अपने ग्राहकों को इसके बारे में जानकारी देता रहेगा।

आज का राशिफल

मेषः- अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। सट्टे व लॉटरी के चक्क र में न पड़ें। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। पार्टनरों से मतभेद दूर होकर सहयोग प्राप्त होगा।

वृषः- पुराना रोग उभर सकता है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है। कुसंगति से हानि होगी। किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं।

मिथुनः- स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। कोई बुरी सूचना मिल सकती है। प्रसन्नता में कमी रहेगी। शत्रुता में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कर्कः- शत्रुभय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। सुख के साधन जुटेंगे। अच्छे समाचार मिल सकते हैं।

सिंहः- शत्रु परास्त होंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कोर्ट व कचहरी, सरकारी दफ्तरों में रुका कार्य पूर्ण अनुकूल होगा। प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेंगे। चोट व रोग से बचें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

कन्याः- कुसंगति से हानि होगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। किसी व्यक्ति से अकारण विवाद हो सकता है। शांति बनाए रखें। पारिवारिक चिंता रहेगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा।

तुलाः- किसी प्रभावशाली प्रबुद्ध व्यक्ति से मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। धनलाभ के अवसर बार-बार प्राप्त होंगे। थकान व कमजोरी रह सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

वृश्चिकः- शत्रुओं का पराभव होगा। सुख के साधन जुटेंगे। स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। कोई कारोबारी बड़ा सौदा बड़ा लाभ दे सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में उन्नति होगी।

धनुः- दांपत्य जीवन में खुशहाली रहेगी। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

मकरः- चोट व दुर्घटना से शारीरिक हानि संभव है। किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। दुःखद समाचार मिल सकता है। नए संबंध बनाने से पहले वि?चार कर लें।

कुंभः- जल्दबाजी में कोई कार्य न करें। विवाद संभव है। नौकरी में नई जिम्मेदारी प्राप्त हो सकती है। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। मान-सम्मान प्राप्त होगा।

मीनः- दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। अतिथियों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

त्योहारों के कारण अक्टूबर में 10 दिन बंद रहेंगे बैंक

नई दिल्ली। अक्तूबर में कई पर्व पड़ रहे हैं। अगले 26 दिनों में 10 दिन बैंक बंद रहेंगे। छह से आठ अक्तूबर तक बैंक लगातार तीन दिन बंद रहेंगे। इसके अलावा 26 से 29 अक्तूबर तक चार दिन बैंक बंद रहेंगे। बैंकों के लगातार बंद रहने का असर एटीएम पर भी पड़ने की संभावना है। नवरात्र, दीपावली और भाई दू जैसे प्रमुख त्योहारों के कारण अक्तूबर में ऐसी स्थिति बन रही है। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन के मीडिया प्रभारी अनिल तिवारी ने बताया कि छह अक्तूबर से छुट्टियों शुरू हो जाएंगी।

अक्तूबर में बैंक की छुट्टी

6 अक्तूबर- रविवार, 7 अक्तूबर- महानवमी, 8 अक्तूबर- दशहरा, 12 अक्तूबर- दूसरा शनिवार, 13 अक्तूबर- रविवार, 20 अक्तूबर- रविवार, 26 अक्तूबर- चौथा शनिवार, 27 अक्तूबर- रविवार और दीपावली, 28 अक्तूबर- गोवर्धन पूजा, 29 अक्तूबर- भाई दूज।

इंटरनेट यूजरस के मामले में जाने भारत के आंकड़े

नई दिल्ली। देश और दुनिया में बढ़ती तकनीक के आयामों के बीच एक रिपोर्ट आई है, जिसमें बताया गया है कि भारत में सिर्फ 36 फीसद लोग ही इंटरनेट का प्रयोग कर रहे हैं। यह आंकड़ा भौंचक्का कर देने वाला इसलिए भी लग रहा है क्योंकि आजकल लगभग हर व्यक्ति के हाथ में स्मार्टफोन दिख जाता है। स्मार्टफोन बिना इंटरनेट कोई प्रयोग करता रहे ऐसा यकीन करना मुश्किल लगता है।भारत में पूरी दुनिया के मुकाबले सबसे सस्ता इंटरनेट पैक है, वहीं कड़वी सच्चाई यह भी है कि भारत की दो-तिहाई जनता इंटरनेट का इस्तेमाल नहीं करती है। इसकी जानकारी इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने अपनी एक रिपोर्ट में दी है। कुछ अन्य सर्वे में भी सामने आया है कि अन्य देशों की तुलना में भारत में इंटरनेट प्रयोग करने वालों की संख्या कम है और यह अंतर लगभग दोगुने के आसपास सामने आ रहा है। एक तर्क यह भी दिया जा रहा है कि देश में आज भी ग्रामीण क्षेत्रों के लोग इंटरनेट का उतना प्रयोग नहीं कर पा रहे हैं, जितने के कयास लगाये जाते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि पूरे भारत में केवल 33 फीसदी महिलाएं ही इंटरनेट का इस्तेमाल करती हैं, वहीं रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 38 फीसदी शहरी महिलाएं और 28 फीसदी ग्रामीण महिलाएं इंटरनेट का इस्तेमाल करती हैं। वहीं पुरुषों की बात करें तो पूरे देश में 67 फीसदी पुरुष इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं, वहीं शहर में इनकी संख्या 62 फीसदी और गांव में 72 फीसदी है।

शाहरुख ने बॉलीवुड से क्यों किया किनारा

2018 की फ़िल्म ज़ीरो के बाद शाह रुख़ ख़ान की अगली फ़िल्म को लेकर उनके फैंस के बीच ज़बर्दस्त उत्सुकता है। सोशल मीडिया में भी फैंस उनसे पूछते रहते हैं कि वो पर्दे पर कब लौट रहे हैं। कुछ फ़िल्मों से उनके नाम भी जुड़े, मगर अभी तय कुछ नहीं है। सिल्वर स्क्रीन से अपनी गैरहाज़िरी से जुड़े एक सवाल का शाह रुख़ ने मज़ेदार जवाब दिया।

मंगलवार को दशहरे की छुट्टी के दौरान शाह रुख़ ने ट्विटर पर प्रश्नस्क्र्य सेशन रखा, जिसमें कई फैंस ने उनसे सवाल पूछे। परवेज़ ख़ान नाम के यूज़र ने किंग ख़ान से पूछा कि आपने बॉलीवुड से किनारा क्यों कर लिया। आपको बहुत मिस करते हैं। इस पर शाह रुख़ ने अपने अंदाज़ में जवाब दिया- हाहाहाज मैं खुद बॉलीवुड हूं। शाह रुख़ का यह जवाब कई फैंस को पसंद आ रहा है। एक अन्य यूज़र ने शाह रुख़ से पूछा कि उसने सुना है, धूम 4 में शाह रुख़ होंगे। इस पर किंग ख़ान ने कहा कि उन्होंने भी सुना है, कुछ और पता चले तो बता देना।

बता दें कि 2018 में रिलीज़ हुई ज़ीरो बॉक्स ऑफ़िस पर नहीं चली थी, जिसके बाद शाह रुख़ अपनी फ़िल्मों के चुनाव को लेकर काफ़ी सतर्क हो गये हैं। कयास लगाये जा रहे हैं कि वो किस फ़िल्म से वापसी करेंगे।

बेस्ट एंटरटेनर का खिताब मिला शहनाज गिल को

बिग बॉस के घर में हर बार कोई एक कंटेस्टेंट ऐसा जरूर होता है, जो अपनी अटपटी और फनी हरकतों से घरवालों के साथ दर्शकों को खूब एंटरटेन करता है. इस बार सीजन 13 के बेस्ट एंटरटेनर का खिताब पंजाब की सिंगर शहनाज गिल को दिया जा रहा है.बिग बॉस के फैन्स का मानना है कि सीजन 13 में शहनाज सबसे ज्यादा एंटरटेनिंग कंटेस्टेंट हैं. शहनाज की फनी हरकतों को फैन्स काफी पसंद कर रहे हैं. अब कलर्स टीवी ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर शहनाज का एक वीडियो शेयर किया है. वीडियो में शहनाज भूत बनकर सभी घरवालों को डराने की कोशिश कर रही हैं.

साबूदाने की टिक्की बनाने की विधि...

आवश्यक सामग्री

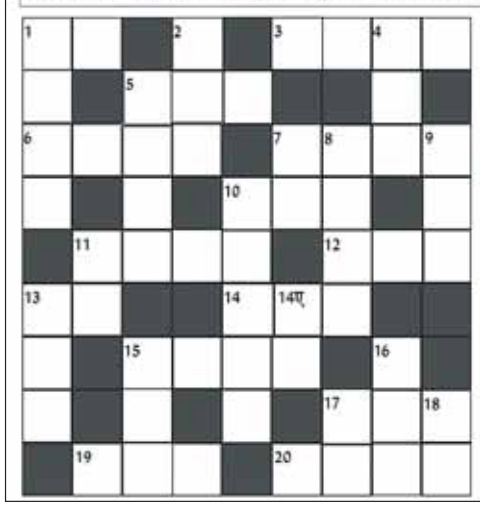

2 कप साबूदाना / साबूदाना / टैपिओका मोती, 2 आलू, 1/4 कप मूंगफली, 2 से 3 हरी मिर्च, 2 चम्मच अदरक, 1 चम्मच जीरा, 2 बड़े चम्मच धनिया, 1 बड़ा चम्मच चावल का आटा, 2 से 3 चम्मच नींबू का रस, नमक / सेंधा नमक आवश्यकतानुसार, गहरी तलने के लिए तेल

बनाने की विधि

साबूदाने में स्टार्च की मात्रा को हटाने के लिए अच्छी तरह से रगड़ें। साबूदाना को कम से कम पानी के साथ 4 से 5 घंटे के लिए भिगो दें। चिपचिपेपन से बचने के लिए इसे हर बार कांटे के साथ फुलाएं। आलू को 3 सीटी के लिए प्रेशर कुकर में पकाएं। त्वचा निकालें और इसे मैश करें मूंगफली को सुनहरा भूरा होने तक एक पैन में भूनें। ठंडा करें और त्वचा को हटा दें। इसे मिक्सर में पीसकर पाउडर बना लें। हरी मिर्च, अदरक और धनिया पत्ती को काट लें। एक कटोरी में साबूदाना, मसले हुए आलू, हरी मिर्च, अदरक और धनिया पत्ती डालें। चावल का आटा, मूंगफली पाउडर और नमक डालें। शीर्ष पर नींबू का रस निचोड़ें और सब कुछ अच्छी तरह से मिलाएं। आटे से बराबर आकार के गोले बना लें। अपनी हथेलियों के बीच समतल करने के लिए दबाएँ। कढ़ाही में तेल गरम करें, एक बार जब यह गर्म हो जाए तो वड़ा को तेल में सावधानी से गिराएं और आंच को कम कर दें। उसके अनुसार आंच को समायोजित करें। सुनहरा भूरा होने तक दोनों तरफ से डीप फ्राई करें। इसे किचन टॉवल में सूखा लें। इसे टोमैटो सॉस / हरी चटनी / मीठे दही के साथ परोसें।

शब्द सामर्थ्य- 09

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 08 का हल

खा	म	खां			ई			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्व			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		दां		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

सू-दोकू- 09

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.08 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6